

12.33 hrs.

### CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

#### DEVASTATION CAUSED BY TORNADO HITTING DELHI

**SHRI KANWAR LAL GUPTA** (Delhi Sadar): I call the attention of the Minister of Home Affairs to the tornado hitting Delhi causing heavy loss of life and property and the steps taken by Government to meet the situation and request him to make a statement thereon.

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL):** Sir, on the evening of 17th March, 1978, a fast moving tornado, accompanied by rain, hit some areas of North Delhi. This freak natural calamity caused considerable damage to life and property in the University area and parts of Kingsway Camp, Roshan Ara Road, Haqiqat Nagar and Probyn Road. The devastating tornado lasted for less than five minutes resulting in severe damage to buildings of various colleges, other structures and electric poles etc. Some vehicles in the passage of the tornado were also thrown off the ground.

The police, fire-brigade and officials of the Delhi Administration reached the effected area within minutes of the receipt of information.

A massive rescue and relief operation was launched immediately thereafter. Mobile emergency force, police, fire-brigade, DESU and Corporation staff, aided by students of the colleges, conducted the rescue operations. The injured persons were rushed to hospitals for medical aid. A make-shift camp office was set up by the Administration in the vicinity of Khalsa College to co-ordinate relief and rescue operations. Doctors at various hospitals worked round the clock to attend to the

injured. A Control Room, manned by a Magistrate, has been established in the office of the Deputy Commissioner, Delhi.

According to the latest information, 28 persons lost their lives. In addition, 104 persons are still admitted in various hospitals, out of whom 1 is reported to be in serious condition. 712 persons have been discharged from the hospitals after receiving medical treatment.

The loss to property has been tentatively assessed at Rs. 1 crores. Most of the damage caused was to college buildings, Delhi Transport Corporation and other Government institutions.

The Delhi Administration has sanctioned a sum of Rs. 2,500 to the families of each of the deceased persons as gratuitous relief. The affected jhuggi dwellers were given clothes and utensils by the Red Cross. Some voluntary organisations also assisted in providing relief.

An assistance of Rs 1 lakh from the Prime Minister's Relief Fund has been announced to ameliorate the distress of the radio victims. Relief and restoration work is going on at full speed.

**श्री कंवर लाल गुप्ता :** अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से दिल्ली में यह टारनेडो आया, शायद हिन्दुस्तान के इतिहास में और दिल्ली के इतिहास में यह पहला मौका है। मुझे मान्य नहीं कि प्रकृति का प्रकोप दिल्ली के लिए कबो ज्यादा है ? इस मीने में यहाँ पर बाढ़ भी आ गई जो कभी नहीं आई थी। ये दोनों घटनाएँ ऐसी हैं और इनका इतना भयंकर परिणाम हुआ है कि जो लोग यूनि-वर्सिटी गए हैं उन्होंने देखा होगा, एक कम्पलीट डिवास्टेशन और डिस्ट्रक्शन बहाँ पर दिखाई देता है। यहाँ तक कि एक स्कूटर जो सड़क पर था वह उड़ कर के दो मंजिला इमारत पर पहुँच गया। इतना भयानक यह तूफान था। दो दो मंजिला बसें जो थी

वे उड़ कर सी-सी गज पर फेंक दी गईं । करीब बारह बर्से इस तरह से उठा-उठा कर दूर फेंक दी गईं । यह तो भगवान की कृपा थी कि बारिश और भोलो उस के पहले पड़े थे, इस वजह से लोग सड़को के ऊपर नहीं थे । केवल वही लोग मरे या जखमी हुए जो या तो झुग्गी झोपड़ी में रहते थे या बसों में थे । इस तरह का प्रकोप और इस तरह की तबाही पहले कभी नहीं हुई ।

लेकिन इसके बाद भी मैं बघाई देना चाहता हूँ सरकार को, दिल्ली प्रशासन को और दिल्ली नगर निगम को, विशेषतः वहाँ के विद्यापियों का और वालट्री आर्गोनाइजेशन को जिन्होंने अनपरेलन और अनप्रेसिडेन्ट काम बहा किया । मैं रात भर वहाँ रहा । मेरा कास्टीभ्यूगसी में यह बाक्या हुआ । किम तरीके से मारी रात लोग लगे रहे और लग करके उन्होंने मारी सड़क साफ कर दी, ट्रैफिक को कंट्रोल कर दिया । जो लोग मुबह बहा गए होंगे उन्होंने यह देखा होगा । हिन्दू राव हॉस्पिटल और इरविन हॉस्पिटल के डाक्टरों और नर्सों बिना बुलाए सारे के सारे स्वन आ गए । जिनके घर वालों को चोटे लगी थी या जिन की मृत्यु हुई गई थी, काफी लोगों में बात हुई । यह आपकों आमकर ताज्जुब होगा कि एक व्यक्ति ने भी यह शिकायत नहीं की कि सरकार की तरफ से किसी तरह की कमी हुई । सबने यह कहा कि जो कुछ हो सकता था वह पूरा किया और समय पर किया । उसके लिए मैं मंत्री महोदय को बघाई दे रहा हूँ अपने क्षेत्र के लोगों की तरफ से और दिल्ली वालों की तरफ से ।

मुझे एक दो बातें कहनी हैं । एक तो यह कहना है उधर के भाइयों से कि सरकार ने सब कुछ किया, वहाँ पर पैसा जमा करने की जरूरत नहीं है और न किसी को पैसे की जरूरत थी, लेकिन कुछ लोगों ने वहाँ पर कैम्प लगा कर पैसा इकट्ठा किया । इनके संगठन के लोग वे थे, मैं यह चाहूँगा कि वे

इस बात को देखें कि इस तरह से कोई भी नाजायज पैसा किसी की मिजबरी के ऊपर या किसी की मृत्यु के ऊपर अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए इकट्ठा न करे । सरकार उसकी जाब करे और उधर के लोग जिनकी पार्टी के वे लोग थे, वे भी देखें कि उसका इस तरह का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए ।

दूसरी चीज एक भ्रष्टाचारी से यह ध्राई कि पचास लोग वहाँ पर मिसिंग हैं । यह भी बात गलत है । मैंने भी पूरी जाब इसकी की है और मैं समझता हूँ मंत्री महोदय भी इस बात को स्पष्ट करे, कोई भी व्यक्ति भ्राज मिसिंग नहीं है । हर एक का पता लग गया है, वह जिन्दा है, बीमार है या जो कुछ भी है, हर एक का पता लग गया है, एक भी भ्रादमी मिसिंग नहीं है ।

अब मैं मंत्री महोदय से सवाल करूँगा । मैं यह पूछना चाहता हूँ कि हिन्दुस्तान टाइम्स में एक साइटिस्ट की रिपोर्ट ध्राई थी जिस ने यह कहा था कि यह टारनेडो नहीं है, यह फ्लाइंग सासर है और रेडियो ऐक्टिव बेम्बल पहले से डेढ़ गुना ज्यादा है तो यह वास्तव में क्या चीज है ? वेदर वालों ने पहले फोरकास्ट भी नहीं किया । वेदर के एक्सपर्ट्स से भी मैंने बात की । कोई कुछ कहता है, कोई कुछ कहता है । वे कन्फ्यूज्ड हैं । मैं मंत्री जी से कहूँगा कि आइन्दा इस तरह की घटना कोई देश में हो तो उस को रोका जा सके, उसके लिए एक साइटिफिक स्टडी करवानी चाहिए । जैसे सेटेलाइट है, राडार है वहाँ पर इसका क्या असर हुआ है । रूस में अमरीका के जो सैटेलाइट है वह बहुत पावरफुल है वहाँ पर उसका क्या असर हुआ है—इसकी साइटिफिक स्टडी होनी चाहिए ताकि आगे इस प्रकार की घटनाएँ न हों । विशेषतया एक साइटिस्ट ने जो कहा है, "हिन्दुस्तान टाइम्स" में वह छपा है—वे काफी लीडिंग साइटिस्ट है—मुझे नहीं मालूम वह तथ्य कहा तक ठीक है या कहाँ तक ठीक नहीं है ।

[श्री कवर लाल गुप्त]

दूसरी चीज यह है कि जो लोग मरे हैं उनके परिवारों को भरपूर ढाई हजार रुपया दिया है लेकिन मैं समझता हूँ यह रकम बहुत कम है—इस रकम को बढ़ा दिया जाना चाहिए। मंत्री महोदय इस पर विचार करें।

भाखिरी चीज यह है कि वहाँ पर कालेज की इमारतें डैमेज हो गई हैं। विशेषतया कई लड़कियों के कालेज हैं तो मैं चाहूँगा आप यू० जी० सी० को कह कर जल्दी से अनुदान दे दें ताकि स्कूल ठीक हो जायें।

श्री धनिक लाल मण्डल : माननीय सदस्य ने जो कहा है कि इस तरह के टॉर्नेडो देश में बहुत कम आये हैं, यह बात सही है। इस देश में इस तरह की घटनाएँ बहुत कम हुई हैं। सन् 1975 में इस तरह की एक घटना जालंधर में हुई थी। 1975 के बाद 1978 तक तीन वर्ष हो गए। सरकार और समाज सेवा संस्थाओं ने जिस तत्परता और जिम्मेदारी के साथ काम किया उससे माननीय सदस्य को बड़ा सतोष है। इसके लिए हमको उन तमाम समाजसेवी संस्थाओं का जिन्होंने वहाँ पर काम किया है, धन्यवाद देना चाहिए।

माननीय सदस्य ने यह बात कही कि मीटियोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने उसकी फोरकास्ट नहीं की तो हमारे देश में मीटियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के पास इतने साधन नहीं हैं और अभी तक इस तरह की बहुत कम घटनाएँ हुई हैं जिनको देखते हुए इस पर उतना अधिक पैसा लगाना—हमका लगता है उसकी आवश्यकता नहीं है।

“हिन्दुस्तान टाइम्स” में छपी खबर के बारे में जो माननीय सदस्य ने कहा कि यह टॉर्नेडो नहीं था, प्लाइग सासर था जिससे यह घटना घटी तो उसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता हूँ। वह तो एक फिक्शन है, प्लाइग

सासस के बारे में नाबेल है जिसको हम सभी पढ़ते हैं और जानते हैं।

श्री कंवरलाल गुप्त : आप स्टडी तो करवाइयें।

श्री धनिक लाल मण्डल : आप एग्जिस्टेंस देगे तो जरूर करवा सकते हैं लेकिन दुनिया में और जगहों पर टॉर्नेडो आते हैं परन्तु हिन्दुस्तान से उनकी फ्रीक्वेंसी बहुत कम है। जैसा मैंने पहले अर्ज किया मीटियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के पास इतने साधन नहीं हैं और अभी इस देश में इस तरह की घटनाएँ बहुत कम हुई हैं इसलिए उस पर ज्यादा ध्यान करने की आवश्यकता हम नहीं समझते।

माननीय सदस्य ने जा रिलीफ के बारे में कहा है कि मृतक के परिवार को जो 2500 रुपए देने की बात है उस राशि को बढ़ाना चाहिए और यूनिवर्सिटी को जा क्षति हुई है उसके लिए यू जी सी से बातचीत करके धन का प्रबंध किया जाये तो माननीय सदस्य के इन सुझावों पर विचार किया जायेगा।

SHRI KANWAR LAL GUPTA  
What specific proposals has he got?

MR SPEAKER He said the matter will be looked into

SHRI KANWAR LAL GUPTA  
Will he have a study made into it?

MR SPEAKER He said that it is a difficult matter But, he would look into it

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा (रामपुर)

माननीय मंत्री जी के उत्तर से सम्बन्धित/माननीय अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय सरकार वास्तव में इस कार्य के लिए बघाई की पात्र है। मैं विशेष रूप से विश्वविद्यालय के छात्रों को बघाई दूंगा जिन्होंने उस भयंकर स्थिति में एकदम से इस कार्य में जुट गए। मैं व्यक्तिगत रूप से भी मौके पर पहुँचा था। पुलिस सहायता से पूर्व ही वे इस विपत्ति की बड़ी

में राष्ट्रभक्ति और देशभक्ति से इस कार्य में जुट गए। प्रभावित लोगों को राहत दिलवाने के लिए उन्होंने बसों को डाइवर्ट करना शुरू किया। तब तक दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन, दिल्ली कारपोरेशन और केन्द्रीय सरकार की तरफ से भी साधन जुटा दिए गए। इससे पूर्व किसी भी सरकार द्वारा इतनी शीघ्र सहायता पहुंचाने की मिसाल नहीं मिलती है। इस बात के लिए मैं सरकार को बधाई देता हूँ। मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि मृतक के परिवार को ढाई हजार की राशि देने की जो बात है उसकी मात्रा बहुत कम है। इसको इस दृष्टि से देखना चाहिए—एकोडिंग टु दि स्टैटस आफ दि पर्सन। जो व्यक्ति गरीब है, जिनके पास साधन का अभाव है उनके लिए निश्चित रूप से धन की मात्रा बढ़ानी चाहिए। इसमें विशेष रूप से उन भुग्गी-झोपड़ीवालों के लिये सरकार को विशेष सहायता प्रदान करनी चाहिये, जो लोग मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, उनके बच्चों के लिये भी एजुकेशन की घोषणा करनी चाहिये। इसके साथ ही जो लोग आज इस संसार में नहीं हैं, जिन के यहां कोई कमाने वाला नहीं है, उनके परिवार के किसी न किसी व्यक्ति को रीएम्पलायमेंट मिलनी चाहिए।

अब मैं आप का ध्यान डा० राव, जो आई० एम० डी० के चीफ़ है, उन की एक विशेष महत्वपूर्ण कथनावली की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ :—

“Dr. Y. P. Rao, Chief of IMD said that tornado—also known as a funnel-shaped fury—is a rare phenomenon in India although very common in the United States.

Dr. Rao said it was perhaps the first tornado to strike Delhi according to the IMD record. One tornado struck Punjab three years ago, but according to Dr. Rao the frequency of tornado in India is about one in fifteen years. The forecasting of tornado is said to be difficult be-

cause it is very brief, even developing almost suddenly. Usually it lasts for a few minutes.”

मान्यवर, इन सब बातों से यह स्पष्ट होता है कि इस प्रकार की घटनायें अधिकतर यू०एस०ए० में होती हैं। इसलिये मेरा यह निवेदन है कि हमारे यहां से साइन्टिस्ट्स का एक स्पेशल दल भ्रमरीका भेजा जाना चाहिये तो इस सम्बन्ध में जांच करे। इस बात को ध्यान में नहीं रखना चाहिये कि हमारे देश के अन्दर इस प्रकार की घटनायें बहुत कम होती हैं। बल्कि हमें इस दृष्टि से काम करना चाहिये कि भविष्य में हमारे देश के अन्दर इस तरह की घटनायें न घटें और साइन्टिस्ट्स की मारफ़त इसकी खोज करा कर भविष्य में इस तरह की होने वाली घटनाओं से देश को बचाने का प्रयास करना चाहिये।

**श्री धनिक लाल मण्डल :** महोदय, भुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को कम्बलों का आवंटन किया गया है, बर्तनों का आवंटन किया गया है, उन्हें भोजन दिया जा रहा है और 100 टेंट्स उनको दिये गये हैं। भुग्गी-झोपड़ी वालों के लिये जो भी सम्भव है, वह किया जा रहा है। इसके लिये माननीय सदस्य ने सन्तोष व्यक्त किया है, यह खुशी की बात है।

जहां तक मृतकों के लिये कम्पेंसेशन बढ़ाने की बात है—उस पर विचार करेंगे।

मीट्रियोलॉजिकल विभाग को मजबूत और सक्षम बनाने की बात कही गई है। . .

**श्री कंवर लाल गुप्त :** इन्होंने साइन्टिस्ट्स भेजने की बात कही है।

**श्री धनिक लाल मंडल :** इसके लिये यू०एस०ए० का उदाहरण दिया गया है—तो यू०एस०ए० तो बहुत ही सम्पन्न देश है, सब तरह के साधन उसके पास उपलब्ध हैं।

[श्री धनिक लाल मंडल]

हमने इस सम्बन्ध में दरयापस्त किया तो हमने मालूम हुआ कि इस काम में भरतों डालर खर्च होते हैं और जितने कम समय में यह घटना घटती है, हमारीका जैसा सम्पन्न देश ही इस बात की व्यवस्था कर सकता है कि अपने भादमी को भासमान में रख कर उस बादल को लोकेट कर सके। फिर भी माननीय सदस्य ने जो मुझाव दिये है, उनके पीछे उनकी नीयत अच्छी है, इसकी मैं सराहना करता हूँ।

**SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur):** Mr. Speaker, Sir, first I express my heart-felt grief and condolence to the bereaved families. At the time of discussion regarding Andhra cyclone many hon'ble Members accused the State Government, the All India Radio and the district and local authorities due to the failure of the respective departments to give the necessary warning. Hon'ble Members also accused the Meteorological Department for their failure to forecast the cyclone. But here in Delhi on 17th March the cyclone hit North Delhi suddenly. Shri Kanwar Lal Gupta has described the loss of lives and the other loss which is to the tune of Rs 1 crore. Here I would like to quote the *Times of India* newspaper dated 18th March:

"The Meteorological Office at Safdarjang was unable to provide much information hampered by lack of observatory in North Delhi...."

I am not satisfied with the answer given by the hon. Minister that due to paucity of fund "we cannot afford the modern scientific equipment for forecasting this type of cyclone". But you know, Sir, there are so many lakhs of people in the Capital, the International Airport is there and the radar system is also there. I want a categorical reply from the hon. Minister whether he will institute an Enquiry Committee for the failure of weather forecasting on account of

which North Delhi was faced with such a kind of calamity on 17th. I also want to know whether he will sanction about Rs. 10,000 each to the bereaved families and whether the Government will provide suitable jobs to one of the members of the bereaved families. I also want to know whether the Government will sanction money to these slum dwellers who have lost their jhuggis and jhompris so that they may rebuild their jhompris. One more point I would like to know from the hon. Minister is whether his Government will sanction money for the installation of scientific equipments for forecasting of this kind of cyclone.

**SHRI DHANIK LAL MANDAL:** Sir, there is no question of setting up of any Enquiry Committee to go into this question. As I have already stated, it is very difficult. Even in the United States, it is very difficult to forecast exactly where it will take place and when it will take place. So, I do not think that there is any point in setting up any enquiry for this purpose, for the failure as the hon. Member said. As regards jhuggi and jhompri people, I have already stated that certain steps have been taken by the Government and we are considering what further steps have to be taken. As regards compensation, I had already assured and I cannot commit myself to the exact quantum of amount.

**SHRI SIVAJI PATNAIK (Bhubaneswar):** I am not satisfied with the Minister's statement that the Enquiry cannot take place. Since all the allegations are there, the enquiry can take place. But if the Meteorological Department is provided with the latest equipments, the Tornado could have been forecast. So, I would like to know exactly whether steps will be taken to provide the latest equipments to the Meteorological Department so that forecasting can be done in advance.

**MR. SPEAKER:** He has already answered the question.

**SHRI DHANIK LAL MANDAL:**  
I have already answered this question.

**MR. SPEAKER:** He has said that it is not possible even in the United States to forecast this in advance.

12.54 hrs.

## PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

### SIXTY-SECOND AND SIXTY-THIRD REPORT

**SHRI C. M. STEPHEN (Idukki):**  
Sir, I beg to present the following Reports of the Public Accounts Committee:

(1) Sixty-second Report on action taken by Government on the recommendations of the Committee contained in their Two Hundred and Thirty-first Report (Fifth Lok Sabha) relating to "Procurement of Oil"—Ministry of Defence.

(2) Sixty-third Report on action taken by Government on the recommendations of the Committee contained in their Two Hundred and Twenty-ninth Report (Fifth Lok Sabha) relating to 'Procurement of Finances and Disposal of Fired Empty Cartridge Cases' Ministry of Defence.

## ESTIMATES COMMITTEE

### NINTH REPORT AND THE MINUTES

**SHRI SATYENDRA NARAYAN SINHA (Aurangabad):** Sir, I beg to present the following Report and Minutes of the Estimates Committee:—

(1) Ninth Report on Ministry of Education and Social Welfare—Higher Technical Education.

(2) Minutes of the sittings of the Committee relating to the above Report.

**SHRI KANWAR LAL GUPTA:**  
(Delhi Sadar): I raised this question.

But it is coming up tomorrow. How can he make a statement?

**MR. SPEAKER:** It is up to him to make a statement; I cannot direct one way or the other. He has given notice and it has been listed; it is up to him to decide.

**SHRI C. M. STEPHEN (Idukki):**  
When this was raised, he gave an assurance to the House that a statement would be made here on Monday. It was listed yesterday but the statement could not be made. Therefore it is listed today; the statement should be made.

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL):**  
Since an adjournment motion has been admitted on this point, the statement is not necessary.

**MR. SPEAKER:** So, he does not propose to make a statement.

**SHRI CHITTA BASU (Barasat):** I sought your permission to raise a matter of importance.

**MR. SPEAKER:** You did not say whether you got the permission; you only sought my permission.

**SHRI CHITTA BASU:** I shall take only two minutes. I rise to draw the attention of Minister of Finance to an important matter relating to the strike of the 5000 officers of the LIC. They are now squatting before the boat-club; they have started an agitation from 8th March. They want immediate annulment.

**MR. SPEAKER:** That question is coming up tomorrow. I asked you to give me a 377 statement which you did not give.

**SHRI CHITTA BASU:** There is no harm even then, in mentioning it. I have a right under rule 377 to mention it and I have sought permission for it; I have also given notice to you